दो स्थानों पर लगी आग, लाखों का माल स्वाहा

आग बुझाने के बाद पास की ही एक किराना दुकान से भी धुआं निकलने लगा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई जिसे बाद में काबू पाया गया

नवभारत न्यूज

सिवनी मालवा, 11 अप्रैल. सिवनी मालवा नगर के किराना बाजार स्थित हनुमंत मोबाइल दुकान में शनिवार तड़के करीब 4.30 बजे अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं उठते देखा, जिसके बाद तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसमें पायलट संजय पाल, आरक्षक पूनम बिल्लोरे तथा दूसरी टीम के पायलट नरेंद्र लौवंशी और आरक्षक सतीश कुमार वर्मा शामिल थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फायर ब्रिगेड को भी मौके पर बुलवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुकान के अंदर से लगातार विस्फोट जैसी आवाजें आ रही थीं और शटर के नीचे से आग की लपटें बाहर निकल रही थीं। आसपास के दुकानदारों ने हिम्मत दिखाते हुए दुकान का शटर खोलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उस पर नियंत्रण पाने से पहले ही दुकान का अधिकांश सामान जल चुका था। आग बुझाने के बाद पास की एक किराना दुकान से भी धुआं निकलने लगा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि स्थानीय लोगों की सूझबूझ और तत्परता से पानी डालकर आग को फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया.

ऑटो पार्ट्स की दुकान में लगी आग

नर्मदापुरम। कुलामढ़ी रोड स्थित अनय ऑटो पार्ट्स दुकान में शनिवार दोपहर करीब 12-20 बजे अचानक आग लग गई। घटना के समय दुकान मालिक शटर बंद कर लंच करने के लिए घर गए हुए थे। प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक दुकान में रखा करीब 3 से 3 .5 लाख रुपए का ऑटो पार्ट्स का सामान जलकर खाक हो चुका था .

पुलिस ने पकड़े नशे के सौदागर

2 किलो गांजे के साथ 3 गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

अशोकनगर, 11 अप्रैल. चंदेरी थाना पुलिस द्वारा शनिवार को नशे के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों को गांजे साथ गिरफ्तार किया है। यह गांजा करीब दो किलो है, जिसे नशे के सौदागार चंदेरी में खपाने के लिए आए थे.

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारी को अवैध मादक पदार्थों के विक्रय, क्रय एवं परिवहन में लिप्त आरोपियों पर सख्त कार्यवाही करने निर्देशित किया है। इसी कड़ी में शनिवार को चंदेरी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु पल्सर मोटरसाइकिल से राजघाट से चंदेरी की तरफ आ रहे हैं। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी चंदेरी प्रशांत यादव द्वारा उप निरीक्षक कदम सिंह मीणा व पुलिस बल के साथ कू-कू तलैया पर चेकिंग लगवाई, तो दो व्यक्ति ब्लैक पल्सर बाईक से राजघाट तरफ से आ रहे थे, जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी करके पकड़ा, पकड़े गए आरोपियों में अर्जुन पुत्र माताल लोधी निवासी ग्राम तगारी तथा मुकेश पुत्र मथुरा रैकवार निवासी हाटकापुरा चंदेरी के है। जिनके पास से पुलिस 2 किलो गांजा कीमती करीबन 50,000 रूपये का जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। वहीं पूछताछ में आरोपियों बताया कि वह गांजा अन्य साथी रामबाबू लोधी पुत्र सरदार लोधी निवासी ग्राम रूहाना को लाकर देना बताया। जिसके बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करते हुए धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक रविकांत चौकसे, हरीश भार्गव, आरक्षक आशीष शर्मा, गजेंद्र कोली, विष्णु प्रजापति, आनंद राजपूत, आरक्षक चालक विश्वनाथ सिंह राजावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

पीड़ित परिवार को दिया आर्थिक सहायता और जांच का भरोसा

नवभारत न्यूज

सागर, 11 अप्रैल. जरूवाखेड़ा में बीते दिनों हुए दुखद सड़क हादसे के बाद उपजा आक्रोश विधायक इंजी. प्रदीप लारिया के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद शांत हो गया है.

विधायक श्री लारिया ने न केवल पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया, बल्कि तत्काल आर्थिक सहायता और घटना की निष्पक्ष जाँच के निर्देश भी दिए. मालूम हो कि जरूवाखेड़ा-बांदरी मार्ग पर बाइक फिसलने के कारण झंडापुर निवासी लक्ष्मी की असामयिक मृत्यु हो गई थी. इस घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने विभिन्न मांगों को लेकर सागर-बीना रोड पर चक्काजाम कर दिया था. जाम की सूचना मिलते ही विधायक श्री लारिया ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल तहसीलदार प्रतीक रजक और नरयावली थाना प्रभारी को मौके पर भेजा गया. विधायक श्री लारिया ने मौके पर मौजूद अधिकारियों की उपस्थिति में पीड़ित परिवार को 50 हजार की सहायता राशि, मुख्यमंत्री से चर्चा कर शासन स्तर से अधिकतम संभव आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने का भरोसा दिलाया. दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की सूक्ष्मता से जाँच कराने के निर्देश भी दिए.विधायक ने तहसीलदार और थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए ताकि वास्तविकता सामने आ सके.

कलेक्टर के नेतृत्व में बैतूल ने विकास के नए आयाम स्थापित किए

बैतूल, 11 अप्रैल. कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के कुशल निर्देशन में बैतूल जिले ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके कार्यकाल में प्रशासनिक कसावट के साथ शासन की योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, जिससे जिले की कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणाममुखी बनी। राजस्व विभाग के अंतर्गत नामांतरण, बंटवारा सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, नजूल पट्टा नवीनीकरण एवं भू अर्जन जैसे प्रकरणों की सतत समीक्षा कर उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया गया.

योनो अपडेट कराने के बहाने 1 लाख 9 हजार निकाले

नवभारत न्यूज

इटारसी, 11 अप्रैल. पथरोटा थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। ग्राम घाटली निवासी 63 वर्षीय सुरेश कुमार चिमानिया से अज्ञात व्यक्ति ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के योनो ऐप अपडेट करने के नाम पर 1 लाख 9 हजार 700 रुपए ठग लिए। पुलिस के अनुसार, यह घटना 3 अप्रैल 2026 को सुबह 9.05 बजे से 10.53 बजे के बीच हुई.

फरियादी सुरेश कुमार चिमानिया के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को पंकज बताया और योनो ऐप अपडेट करने की बात कही।आरोपी ने सुरेश कुमार को एक लिंक भेजा और ऐप अपडेट कराने के बहाने उनकी बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद आरोपी ने चिमानिया के खाते से कुल 1,09,700 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने 10 अप्रैल 2026 को शाम 4.08 बजे पथरोटा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी.

सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने रक्षा समिति की बैठक आयोजित

सिवनी मालवा 11 अप्रैल. क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सिवनी मालवा थाना परिसर में नगर रक्षा समिति एवं ग्राम रक्षा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुविभाग शिवपुर, डोलरिया एवं सिवनी मालवा क्षेत्र के समिति सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान ने की। बैठक के दौरान एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान ने उपस्थित सदस्यों को रक्षा समिति के कार्य, अधिकार एवं कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रक्षा समिति समाज और पुलिस के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है, जो क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे रक्षा समिति से जुड़कर समाज में सक्रिय भूमिका निभाएं और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहयोग करें .

ई-उपार्जन पोर्टल बना किसानों के लिए मुसीबत

स्लॉट बुकिंग में अड़चन से बढ़ी परेशानी

छोटे किसान 'पुन: सत्यापन' में अटके, बड़े किसान वेटिंग में; हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा

नवभात न्यूज

नटेरन, 11 अप्रैल. 7 अप्रैल से शुरू हुई ई-उपार्जन वेबसाइट पर स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया ने किसानों की परेशानी कम करने के बजाय और बढ़ा दी है. शुरुआती दो दिनों तक विदिशा जिले के लिए पोर्टल उपलब्ध ही नहीं था, और जब शुरू हुआ तो नई दिक्कतें सामने आ गईं.

प्रशासन का दावा है कि छोटे किसानों को प्राथमिकता देते हुए पहले उनके स्लॉट बुक किए जा रहे हैं, जबकि 10 बीघा से अधिक रकबे वाले किसानों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है. हालांकि नटेरन क्षेत्र की जमीनी हकीकत इस दावे से अलग नजर आ रही है.छोटे किसानों के पोर्टल स्टेटस में पुन: सत्यापन हेतु शेष और ट्रायल पेमेंट विफल जैसे संदेश दिखाई दे रहे हैं, जिससे वे खरीदी प्रक्रिया से बाहर हो रहे हैं. किसान केंद्रों और ऑनलाइन प्रक्रिया के बीच चक्कर काटने को मजबूर हैं.वहीं बड़े किसानों के लिए स्थिति और भी गंभीर है. अधिक रकबे के कारण उनके स्लॉट बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे वे अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हो सकते हैं. इससे मंडियों में किसानों और व्यापारियों के बीच टकराव की स्थिति भी बन रही है.क्षेत्र में हजारों क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है. एक ओर मौसम की अनिश्चितता का खतरा है, तो दूसरी ओर पोर्टल की तकनीकी समस्याएं किसानों की चिंता बढ़ा रही हैं.किसानों का आरोप है कि सुविधा के नाम पर बनाई गई व्यवस्था अब उनके लिए सबसे बड़ी दुविधा बन गई है. उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पोर्टल की तकनीकी खामियों को दूर कर खरीदी प्रक्रिया सुचारू की जाए.

टीईटी परीक्षा रद्द करने अध्यापक, शिक्षक संघ ने सौपा ज्ञापन

मुलताई. टीईटी परीक्षा रद्द कराने सहित अन्य मांगो को लेकर शनिवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौपा।संयुक्त अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा सौपे ज्ञापन मे बताया लोक शिक्षण संचानालय द्वारा कार्यरत शिक्षकों की टीईटी परीक्षा कराने संबंधी आदेश 2 मार्च को जारी किया है, उसे निरस्त किया जावे एवं सर्वोच्च न्यायालय मे शिक्षकों के हित में मध्यप्रदेश शासन की ओर से पुनर्विचार याचिका दायर की जाए। शिक्षक संवर्ग की प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना की जावे.

अवैध कॉलोनी निर्माण : शासकीय नाले पर अतिक्रमण

नवभारत न्यूज

गौरझामर, 11 अप्रैल. गौरझामर ग्राम पंचायत क्षेत्र में अवैध कॉलोनी निर्माण का मामला दिन-ब-दिन गंभीर होता जा रहा है. तिगरा पुल, सागर रोड स्थित खसरा क्रमांक 225/1 पर लगभग 0.92 हेक्टेयर कृषि भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित किए जाने की जानकारी सामने आई है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कॉलोनी नीरज जैन के नाम पर विकसित की जा रही है, जहां न केवल अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही है बल्कि शासकीय नाले पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य भी जारी है. इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कॉलोनाइजर द्वारा नियम-कानूनों को दरकिनार करते हुए नाले के किनारे निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है. जबकि प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है.

इससे कॉलोनाइजर के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वह खुलेआम शासन-प्रशासन को चुनौती देता नजर आ रहा है. नियमों के अनुसार शासकीय नालों और नदियों के किनारे एक निश्चित दूरी तक नो कंस्ट्रक्शन जोन रखना अनिवार्य होता है, ताकि जल संरचनाओं का संरक्षण हो सके और पर्यावरण संतुलन बना रहे. शासकीय नालों के किनारे 15 मीटर तक किसी भी प्रकार का निर्माण पूर्णत: वर्जित है. इसके बावजूद गौरझामर में नाले से सटे क्षेत्र में खुलेआम प्लॉटिंग और निर्माण कार्य जारी है.

हाईवे किनारे खून से सने बोरे में मिला युवक का शव

सागर, 11 अप्रैल. कर्रापुर क्षेत्र में कानपुर हाईवे पर स्थित राजा ढाबा के पास सड़क किनारे खून से सना एक संदिग्ध बोरा मिला. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बोरे को खोलकर देखा तो उसके अंदर युवक का शव बरामद हुआ.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राहगीरों ने सड़क किनारे पड़े एक बोरे पर खून के धब्बे देखे. बोरे की हालत और उससे निकलते खून को देखकर लोगों को किसी अनहोनी की आशंका हुई. देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. नागरिकों ने तुरंत कर्रापुर चौकी पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की. पुलिस ने जब सावधानीपूर्वक बोरे को खोला, तो अंदर एक लगभग 35 से 40 वर्षीय पुरुष का शव मिला. शव खून से लथपथ था और उसकी स्थिति बेहद भयावह थी. पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया. जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मृतक के सिर और चेहरे पर गहरे घाव हैं. माथे पर कई वार के निशान हैं, जबकि एक कान पूरी तरह कटा हुआ मिला. पुलिस की जांच में मृतक की पहचान महेंद्र पिता कोमल अहिरवार निवासी ग्राम भेड़ा बंडा के रूप में हुई है.

जलसंकट : अगले तीन महीने खास, अमले को सतर्क किया

राजगढ़. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में विभिन्न विकासखंडों में पेयजल व्यवस्थाओं, हैंडपंपों की स्थिति तथा जल स्तर की समीक्षा की गई. साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में जितने भी हैंडपंप खराब हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त किया जाए. साथ ही सारंगपुर एवं नरसिंहगढ़ क्षेत्रों में जल स्तर की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए. ताकि संभावित पेयजल संकट से समय रहते निपटा जा सके.

सौदागरों ने खेला नाबालिग से बालिग का खेल

नवभारत न्यूज

अशोकनगर, 11 अप्रैल. अथाईखेडा स्थित करोडों की कृषि भूमि की रजिस्ट्री को लेकर एक नया मोड़ सामने आया है। सेवा प्रदाता के कारनामे को माने तो मानचित्र और खसरा में जिस युवक को नाबालिग बताया गया.

उसी युवक को रजिस्ट्री करते समय बालिग बताकर करोडों की कृषि भूमि की रजिस्ट्री करा ली गई। रजिस्ट्री होने के बाद पुन: युवक को नाबालिग किया गया, जिस युवक को रजिस्ट्री में बालिग बताया गया है उसकी उम्र 24 बर्ष है, वर्तमान स्थिति में युवक बालिग है, लेकिन खसरा में युवक को हाईकोर्ट के स्थगन के चलते नाबालिग किया गया है, लेकिन गड़बड़झाला करने वालों ने हाईकार्ट के आदेश की भी परवाह नहीं की और कुछ समय के लिये नाबालिग को बालिग करके करोड़ों की कृषि भूमि की रजिस्ट्री करा ली। दरअसल जो रजिस्ट्री हुई उसमें विक्रेता नाबालिग है जिसे रजिस्ट्री होने तक ही बालिग किया गया, रजिस्ट्री के तुरंत बाद खसरे में नाबालिग कर दिया। जिस ग्राम पटवारी के कार्यकाल में यह कारनामा हुआ है उस पटवारी का नाम मनीष सेन है, जो दिसंबर माह तक ग्राम पटवारी रहे और कारनामा हो जाने के बाद मनीष सेन को हटाकर जनवरी महीने में पटवारी विकास रघुवंशी को पटवारी हल्के की कमान सौंपी गई।ई-स्टाम्प की राशि 2 लाख 10 हजार 203 रूपये है जिसमें 39 हजार 19 रूपये जनपद शुल्क तो 15 हजार 563 रूपये उपकर शामिल है.

पीएनजी पर जोर, 10 दिन में प्रारंभ करें सप्लाई

तीन माह बाद सिलेंडर पर लग सकता है ब्रेक

सीहोर, 11 अप्रैल. देश में बढ़ते घरेलू रसोई गैस संकट के बीच सरकार अब वैकल्पिक व्यवस्था को तेजी से लागू करने के मूड में है. इसी क्रम में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा देने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं.

जिन कॉलोनियों में पीएनजी पाइपलाइन पहुंच चुकी है, वहां अब 10 दिनों के भीतर गैस सप्लाई शुरू कराना अनिवार्य किया जा रहा है. संकेत साफ हैं कि आगामी समय में एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता धीरे-धीरे खत्म की जा सकती है. अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि जिन घरों तक पाइपलाइन पहुंच चुकी है, वहां यदि उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन नहीं लेते हैं तो केंद्र सरकार के नियमों के तहत 3 माह के भीतर एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है. इस आदेश के बाद जिला प्रशासन भी सक्रिय हो गया है. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वार्डवार सर्वे कराया जाएगा और गैस एजेंसियों से उपभोक्ताओं की सूची मंगवाकर यह जांच की जाएगी कि किन क्षेत्रों में पाइपलाइन होने के बावजूद नागरिकों द्वारा कनेक्शन नहीं लिए गए हैं.

परेशानी 5 साल बाद भी नहीं पूरी हुई परियोजना, ट्यूबवेल जवाब दे रहे; 20 अप्रैल तक सप्लाई शुरू करने का दावा

करोड़ों की जल योजना अधूरी, सांची में गहराया पेयजल संकट

नवभारत न्यूज

सांची, 11 अप्रैल. विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगरी सांची में घर-घर जलापूर्ति का सपना अब तक अधूरा है. करोड़ों रुपए की लागत से शुरू की गई जल योजना पांच साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी, जिससे नगर में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है.

हालात यह हैं कि नगर के कई ट्यूबवेल जवाब दे चुके हैं, जबकि शेष का जलस्तर भी तेजी से गिर रहा है. इसके चलते लोगों को मटमैला और दूषित पानी मिलने की शिकायतें बढ़ गई हैं.जानकारी के अनुसार, करीब 1.25 करोड़ रुपए की लागत से जल संवर्धन योजना शुरू की गई थी, जिसका क्रियान्वयन मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड को सौंपा गया था. वर्ष 2020 में शुरू हुई इस परियोजना को 2023 तक पूरा किया जाना था, लेकिन 2026 में भी यह अधूरी है.शुरुआत में हलाली डेम से पानी लाने की योजना बनाई गई थी, जिसे बाद में बदलकर लगभग 12 किलोमीटर दूर मरमटा नदी से जल लाने का निर्णय लिया गया. इसके तहत हेडगेवार कॉलोनी में फिल्टर प्लांट बनाया गया और नगर में पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों की खुदाई की गई. दो पानी की टंकियां भी बनाई गईं.

क्या कहते हैं जिम्मेदार

नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने कहा कि कंपनी को एक सप्ताह के भीतर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं.सीएमओ रामलाल कुश्वाह ने बताया कि निरीक्षण के बाद कंपनी ने 20 अप्रैल तक जलापूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया है.वहीं अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के इंजीनियर आकाश का कहना है कि अधिकांश लाइनों की टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और 20 अप्रैल तक सप्लाई शुरू कर दी जाएगी .फिलहाल करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी सांची के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं और अब सभी की नजरें 20 अप्रैल की तय तारीख पर टिकी हुई हैं .

बमोरी के जंगलों में लापरवाही का 'शिकार'

- डीएफओ ने तीन वनकर्मियों को किया सस्पेंड
- अतिक्रमण और अवैध उत्खनन पर बड़ी चोट

गुना, 11 अप्रैल. जिले में वन संपदा की सुरक्षा को लेकर वन विभाग अब 'एक्शन मोड' में नजर आ रहा है.

बमोरी वन परिक्षेत्र में ड्यूटी के दौरान आंखें मूंदकर बैठने वाले कर्मचारियों पर गाज गिरी है। वन मण्डल पदाधिकारी अक्षय राठौर ने कर्तव्य में घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता बरतने के आरोप में विशनवाड़ा के परिक्षेत्र सहायक सहित दो बीटगार्डों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई ने विभाग के भीतर हड़कंप मचा दिया है और स्पष्ट संदेश दिया है कि वनों के साथ खिलवाड़ करने वालों और उन्हें मूक सहमति देने वालों की अब खैर नहीं। दरअसल, वनों की सुरक्षा का दावा करने वाले जमीनी अमले की पोल उस समय खुली जब वरिष्ठ अधिकारी खुद धरातल पर उतरे.

कमिश्नर से अवैध बिक्री पर रोक लगाने की मांग

आमला. क्षेत्र में शराब ठेकेदार की मनमानी का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि ठेकेदार की गाड़ियों से खुलेआम अवैध शराब होटलों, ढाबों और ग्रामीण इलाकों में सप्लाई की जा रही है। यह गतिविधि न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि युवाओं और ग्रामीण समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि देर रात तक इन स्थानों पर शराब की बिक्री हो रही है, जिससे असामाजिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हो रही है। प्रशासन की अनदेखी के कारण यह अवैध कारोबार लगातार फल-फूल रहा है.